Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

समकालीन विश्व राजनीति

अध्याय - 6

पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन

भाग - 1

Satyaveer Yadav

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कुछ विचारणीय मुद्दे :-

- दुनिया भर में कृषि योग्य भूमि में अब कोई बढ़ोत्तरी नहीं हो रही जबकि मौजूदा उपजाऊ जमीन के एक बड़े हिस्से की उर्वरता कम हो रही है। चारवाहों के चारे खत्म होने को है और मत्स्य भंडार घट रहा है। जलाशयों की जलराशि बड़ी तेजी से कम हुई है। इसमें प्रदूषण बड़ा है। इससे खाद्य उत्पादन में कमी आ रही है।
- संयुक्त राष्ट्रसंघ की मानव विकास रिपोर्ट (2016) के अनुसार विकासशील देशों की 66.3 करोड़ जनता को स्वच्छ जल उपलब्ध नहीं होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- यहां की दो अरब चालीस करोड़ आबादी साफ-सफाई की सुविधा से वंचित है। इस वजह से 30 लाख से ज्यादा बच्चे हर साल मौत के शिकार होते हैं।
- प्राकृतिक वन जलवायु को संतुलित रखने में मदद करते हैं, इनसे जलचक्र भी संतुलित बना रहता है और इन्हीं वनों में धरती की जैव-विवधता का भंडार भरा रहता है लेकिन ऐसे वनों की कटाई हो रही है और लोग विस्थापित हो रहे हैं। जैव-विवधता की हानि जारी है और इसका कारण है उन पर्यावासों का विध्वंस जो जैव-प्रजातियों के मामले में समृद्ध है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- धरती के ऊपरी वायुमंडल में ओजोन गैस की मात्रा में लगातार कमी हो रही है। इसे ओजोन परत में छेद होना भी कहते हैं। इससे पारिस्थितिकी तंत्र और मनुष्य के स्वास्थ्य पर एक बड़ा खतरा मंडरा रहा है।
- पूरे विश्व में समुद्रतटीय क्षेत्रों का प्रदूषण भी बढ़ रहा है। यद्यपि समुद्र का मध्यवर्ती भाग अब भी अपेक्षाकृत स्वच्छ है लेकिन इसका तटवर्ती जल जमीनी क्रियाकलापों से प्रदूषित हो रहा है। पूरी दुनिया में समुद्रतटीय इलाकों में मनुष्य की सघन बसावट जारी है और इस प्रवृत्ति पर अंकुश न लगा तो समुद्री पर्यावरण की गुणवत्ता में भारी गिरावट आएगी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

ये मसले विश्व राजनीति के :-

- इन मसलों का समाधान किसी एक देश की सरकार अकेले दम पर नहीं कर सकती।
- कौन पर्यावरण को नुकसान पहुँचाता है?
- इस पर रोक लगाने के उपाय करने की जिम्मेदारी किसकी है?
- धरती के प्राकृतिक संसाधनों पर किसको कितने इस्तेमाल का हक है?

↓

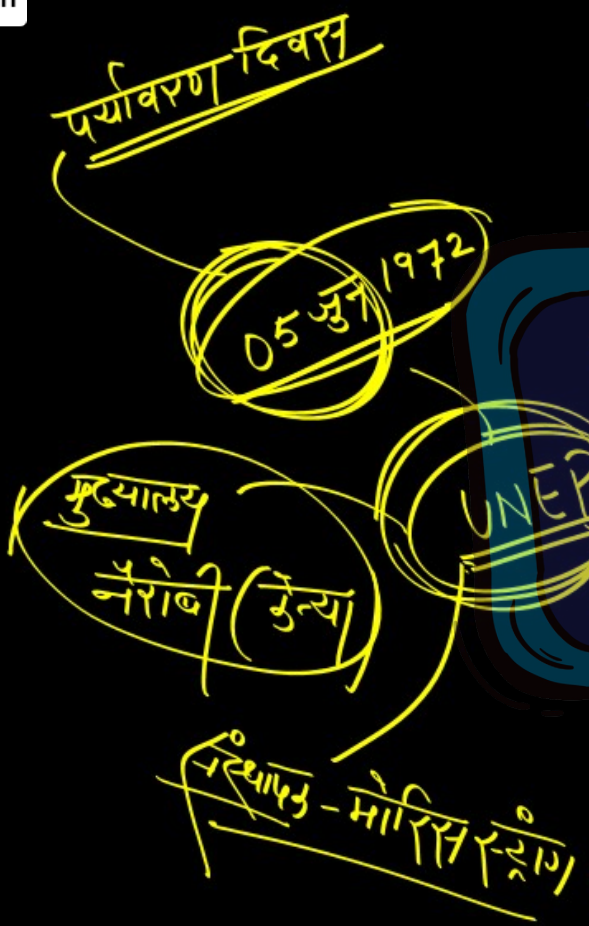
जवाब का निर्धारण → कौन देश कितना ताकतवर है।

↓

ये मसले गहरे अर्थ में राजनीतिक

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



पर्यावरण - वैश्विक राजनीति का मसला :-

- वैश्विक मामलों से सरोकार रखने वाले एक विद्वत समूह 'क्लब ऑव रोम' ने 1972 में 'लिमिट्स टू ग्रोथ' शीर्षक से एक पुस्तक प्रकाशित की।
- यह पुस्तक दुनिया की बढ़ती जनसंख्या के आलोक में प्राकृतिक संसाधनों के विनाश के अंदेशे को बड़ी खूबी से बताती है।
- संयुक्त राष्ट्रसंघ पर्यावरण कार्यक्रम सहित अनेक अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों ने पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं पर सम्मेलन कराये और इस विषय पर अध्ययन को बढ़ावा देना शुरू किया।
- तभी से पर्यावरण - वैश्विक राजनीति का एक महत्वपूर्ण मसला।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

03 June to 14 June

1992

पृथ्वी सम्मेलन

रियो डी जनेरियो — ब्राजील

संयुक्त राष्ट्रसंघ का पर्यावरण और विकास के मुद्दे पर केन्द्रित सम्मेलन

170 देश
हजारों स्वयंसेवी संगठन
अनेक बहुर्राष्ट्रीय निगम

वैश्विक राजनीति के दायरे में पर्यावरण को लेकर बढ़ते सरोकारों को इस सम्मेलन में ठोस रूप मिला।

जलवायु परिवर्तन, जैव-विविधता वानिकी को लेकर नियमाचार

Agenda-21

अजेंडे के अलग पैरोकार

विकसित देश

- ओजोन परत का छेद
- ग्लोबल वार्मिंग

विकासशील देश

- आर्थिक विकास
- पर्यावरण प्रबंधन के आपसी रिश्तों को सुलझाना